शब्द युग्म

कुशाग्र जैन

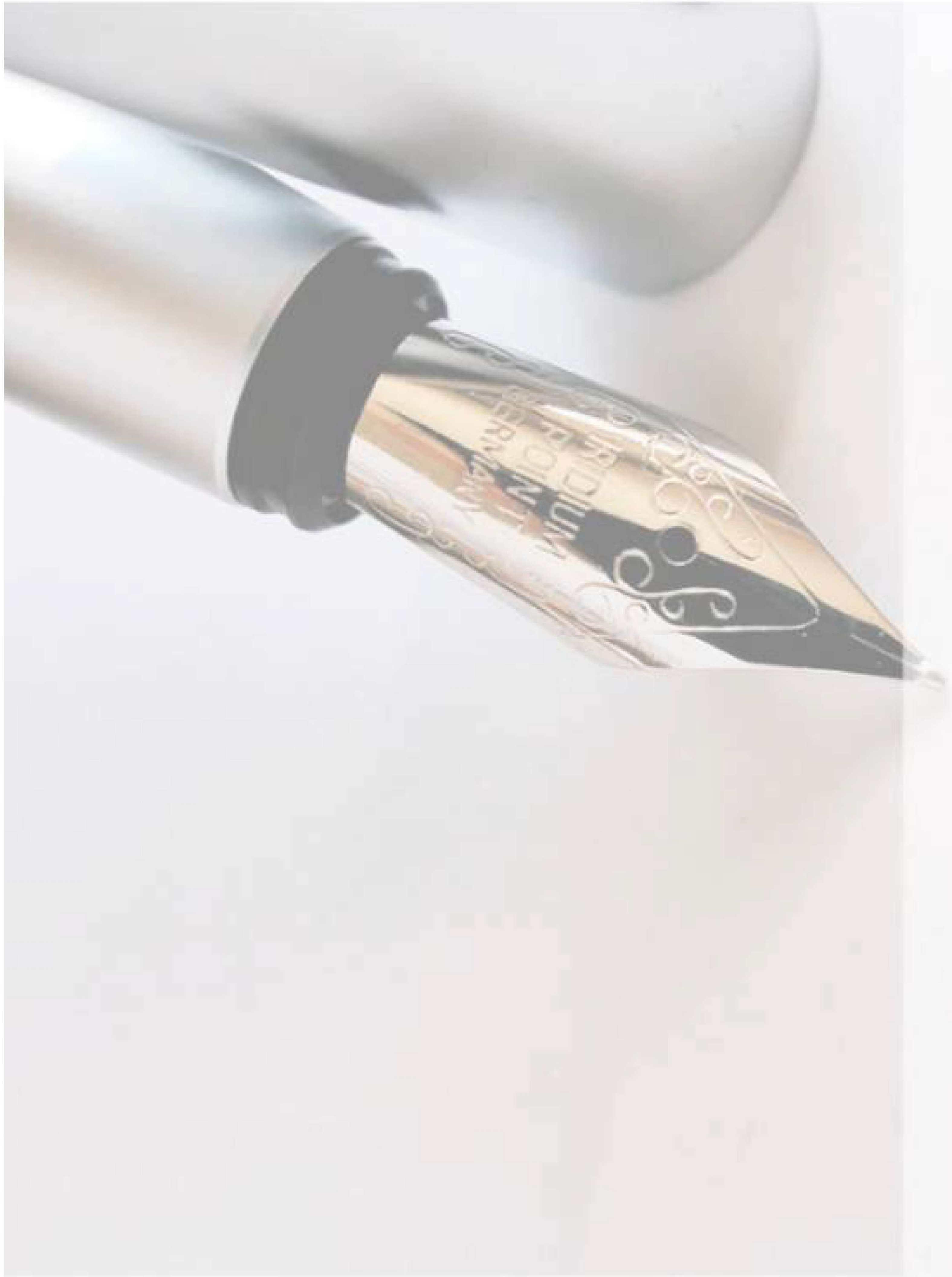

शब्द युग्म

कुशाग्र जैन

ISBN NUMBER : 978-81-966404-7-7

प्रकाशक शिवाग्र कलामंच फाउंडेशन

समर्पण

माता-पिता व गुरूजन को समर्पित

भूमिका

यह मौलिक रचनाओं का संकलन प्रेरणास्पद क्षणिकाओंसे युक्त हैं।

कैसे मैं छोड़ता चला .....
निशान जमीन पर
जबकि

हर दफा चला
चींटी की तरह ।।

यह पंक्तियाँ जीवन की यात्रा और संघर्ष को दर्शाती हैं। कैसे मैं छोड़ता चला निशान जमीन पर का मतलब है कि हर कदम के साथ कुछ न कुछ पीछे छोड़ते जाते हैं। हर दफा चला चींटी की तरह यह बताता है कि जैसे चींटी छोटे-छोटे कदमों से अपने लक्ष्य की ओर बढ़ती है, वैसे ही जीवन में हम लगातार प्रयास करते रहते हैं, भले ही रास्ता कठिन हो।

संक्षिप्त व्याख्या - यह पंक्तियाँ जीवन के निरंतर संघर्ष और छोटे-छोटे प्रयासों को स्वीकारने का संदेश देती हैं, जो अंततः हमें हमारे लक्ष्य तक पहुँचाते हैं।

मजबूत बनाओं
अपना घर..
हर जोड़ बना हो
खूब बेहतर ॥

यह पंक्ति परिवार और रिश्तों की मजबूती की ओर इशारा करती है। मजबूत बनाओ अपना घर का मतलब है कि हमें अपने परिवार और घर को मानसिक, भावनात्मक और व्यावहारिक रूप से मजबूत बनाना चाहिए। हर जोड़ बना हो खूब बेहतर का अर्थ है कि परिवार के हर सदस्य और रिश्ते में सामंजस्य और समझ हो, ताकि घर में प्यार और शांति का वातावरण बना रहे।

संक्षिप्त रूप में, यह पंक्ति हमें अपने परिवार और रिश्तों में स्थिरता, समझ और सहयोग को बढ़ावा देने की प्रेरणा देती है।

उड़ों तुम ..
धीरे-धीरे ।
वक्त जरूर
फिरे-फिरे ।।

यह पंक्ति जीवन में धैर्य और समय के महत्व को दर्शाती है।

उड़ों तुम, धीरे-धीरे का अर्थ है कि हमें जीवन में जल्दबाजी नहीं करनी चाहिए, बल्कि अपने लक्ष्य की ओर धीरे-धीरे और संयम से बढ़ना चाहिए।

वक्त जरूर फिरे-फिरे का मतलब है कि समय का चक्र लगातार चलता रहता है, और जो भी कठिनाइयाँ या परेशानियाँ हैं, वे भी समय के साथ बदल जाएँगी।

संक्षिप्त रूप में, यह पंक्ति जीवन को धैर्य, समझ और विश्वास के साथ जीने की प्रेरणा देती है, यह मानते हुए कि समय सभी परिस्थितियों को बदल देता है।

यह पंक्ति हमें अपनी क्षमता और आत्मविश्वास को पहचानने के लिए प्रेरित करती है।

पंख से हवा में घात करो का मतलब है कि हमें अपनी आंतरिक ताकत (जैसे पंख) का उपयोग करते हुए जीवन में नए अवसरों की ओर बढ़ना चाहिए और चुनौतियों का सामना करना चाहिए।

आसमान से बात करो यह बताता है कि हमें अपनी सोच और सपनों को उच्चतम स्तर तक ले जाना चाहिए, जैसे हम सीधे आसमान से बात कर रहे हों बिना किसी डर या सीमा के।

संक्षिप्त रूप में, यह पंक्ति हमें आत्मविश्वास, स्वतंत्रता और उच्च लक्ष्यों की ओर प्रेरित करती है, ताकि हम जीवन में बड़े सपने देख सकें और उन्हें साकार कर सकें।

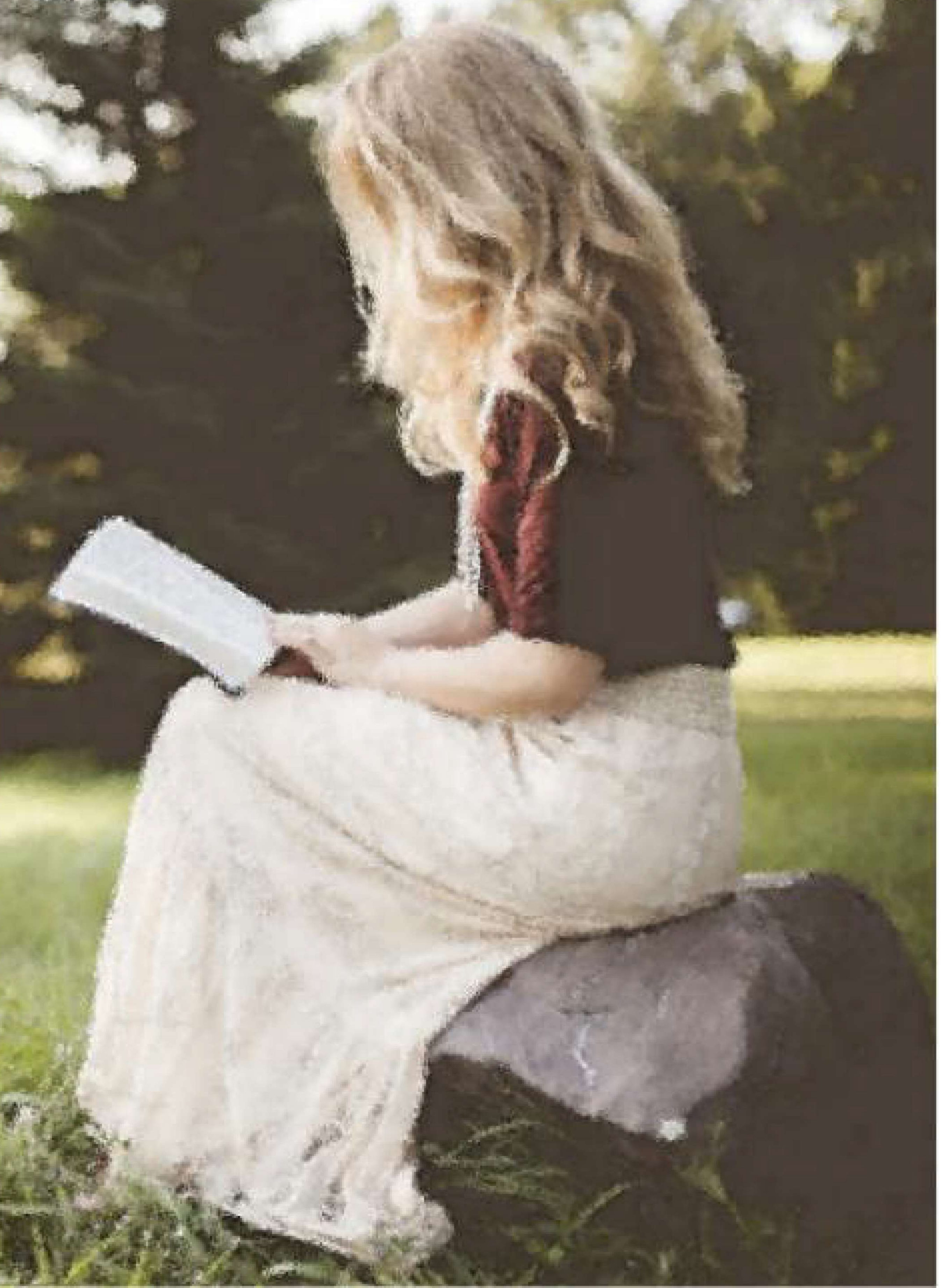

पंख से हवा में घात करों,
आसमान से बात करों ।।

ठुमक ठुमक कर
चलों बढ़ों तुम
खुशियां मन में भरते रहों ।।

यह पंक्ति जीवन के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण और आत्मविश्वास को प्रकट करती है। ठुमक ठुमक कर चलो का अर्थ है धीरे-धीरे, आनंद और संतोष के साथ जीवन की यात्रा करना। बढ़ो तुमष हमें आगे बढ़ने और अपने लक्ष्यों की ओर प्रयासरत रहने का संदेश देती है। खुशियाँ मन में भरते रहो का अर्थ है कि हमें हमेशा अपने अंदर की खुशी और संतोष को बनाए रखना चाहिए, चाहे परिस्थितियाँ कैसी भी हों। यह पंक्ति जीवन को हर्ष और आत्मविश्वास के साथ जीने का प्रेरणादायक संदेश देती है।

बढ़ो सम तूणीर
अथक अरुक दृढ़
हो कर पथांत॥

यह पंक्ति हमें प्रेरित करती है कि हमें अपने लक्ष्य की ओर बिना थके, दृढ़ संकल्प और आत्मविश्वास के साथ बढ़ते रहना चाहिए, जैसे धनुष और बाण की तरह, जो हमेशा अपने लक्ष्य की ओर जाता है।

इधर उधर देखो
नवीनता को लो
नए ताजा रहो॥

यह पंक्ति हमें जीवन में नयापन और ताजगी बनाए रखने के लिए प्रेरित करती हैं। इधर उधर देखो का अर्थ हैं, अपने आस-पास की दुनिया पर ध्यान दो, नए दृष्टिकोण से हर चीज को देखो और सीखने के लिए खुले रहो। नवीनता को लो का मतलब हैं, पुराने विचारों और तरीकों से बाहर निकलकर नए और आधुनिक विचारों, दृष्टिकोणों और तकनीकों को अपनाओ। नए ताजा रहो का अर्थ हैं, अपने विचारों, ऊर्जा और जीवन के तरीके को ताजगी और नयापन से भरपूर रखें। संक्षेप में, यह पंक्ति हमें यह सिखाती हैं कि जीवन को एक नई दिशा में बदलने के लिए हमें पुराने ढंग से बाहर आकर नवीनता को अपनाना चाहिए, ताकि हम हमेशा ताजगी और प्रगति की ओर बढ़ते रहें।